केंद्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद संभाग

क्षेत्रीय FLN समिति की बैठक का कार्यवृत्त - अक्टूबर 2026

दिनांक: 28 अक्टूबर 2026 **समय:** प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक

माध्यम: ऑनलाइन **आयोजक:** केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद

उपस्थित सदस्य:

- श्री धर्मेन्द्र पटले, उपायुक्त, के.वि.सं., क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद।
- श्रीमती मीना जोशी, सहायक आयुक्त, के.वि.सं., क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद।
- अहमदाबाद संभाग की क्षेत्रीय FLN समिति के सदस्य।

बैठक के कार्यवृत

1. स्वागत एवं FLN की प्रगति की समीक्षा-

श्रीमती मीना जोशी, सहायक आयुक्त ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पिछली बैठक में केन्द्रीय विद्यालय CRPF द्वारा प्रस्तुत श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि समागम पोर्टल की प्रविष्टियों की नियमित समीक्षा के दौरान विद्यार्थियों का भावनात्मक एवं सामाजिक विकास संतोषजनक पाया गया, जबकि केवल लगभग 30% विद्यार्थी बुनियादी साक्षरता में प्रगतिशील स्तर पर हैं। उन्होंने FLN के अपेक्षित परिणामों में सुधार हेतु लक्षित शैक्षणिक सहयोग तथा आयु-उपयुक्त अधिगम लक्ष्यों के निर्धारण पर बल दिया।

साथ ही उन्होंने निर्धारित समय-सीमा के भीतर एफएलएन (FLN – बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता) के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक पदाधिकारियों द्वारा निरंतर, समन्वित एवं सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में पढ़ने, लिखने एवं गणितीय कौशलों की बुनियादी समझ विकसित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एफएलएन लक्ष्यों की प्रभावी प्राप्ति के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन, बच्चों की सीखने की प्रगति का सतत आकंलन, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सुधार तथा कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। साथ ही, शिक्षकों को नवीन एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने, बच्चों की सीखने की आवश्यकताओं के अनुरूप गतिविधियों की योजना बनाने तथा अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

आगे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय, नियमित समीक्षा एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर एफएलएन के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमित प्रयास, प्रभावी कार्ययोजना, सामूहिक सहभागिता एवं सतत अनुश्रवण ही प्रत्येक बच्चे में अपेक्षित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल विकसित करने की कुंजी हैं।

2. उपायुक्त महोदय द्वारा आधार संबोधन-

श्री धर्मेन्द्र पटले, उपायुक्त ने विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (FLN) की वास्तविक स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। विद्यालयों के अपने भ्रमण का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी FLN का पूर्ण रूप तथा उसके उद्देश्यों से भी परिचित नहीं थे।

उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यार्थियों द्वारा अर्जित दक्षताओं का नियमित आकलन किया जाए तथा प्राचार्य एवं मुख्याध्यापक (HM) उनकी प्रगति की सतत निगरानी करें। अपेक्षित दक्षताओं की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ। उन्होंने विद्यार्थियों की दोनों भाषाओं पर पकड़ मजबूत करने पर भी विशेष बल दिया।

3. श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का प्रस्तुतीकरण-

श्रीमती मीना जोशी ने सुश्री सुचिस्मिता, आमंत्रित सदस्य का बैठक में शाब्दिक स्वागत किया।

श्रीमती संतोष, मुख्याध्यापक, केंद्रीय विद्यालय जामनगर ने कविता-पाठ, सहायक सामग्री के साथ नाट्य-प्रस्तुति, गणितीय गिनती गतिविधियों, मात्रा-अभ्यास तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गुजराती भाषा सीखने जैसी कार्यप्रणालियाँ प्रस्तुत कीं।

श्री केविन पटेल, मुख्याध्यापक, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, शाहिबाग ने FLN कौशल विकसित करने हेतु *Write and Go, Story on the Desk*, शिक्षक-निर्देशित कहानी-कथन एवं पठन तथा जन्मदिन पर कहानी की पुस्तक भेंट करने जैसी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

श्रीमती मीना जोशी ने दोनों विद्यालयों की कार्यप्रणालियों की सराहना की तथा सभी केंद्रीय विद्यालयों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार इन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

4. कार्ययोजना एवं आगामी बैठक -

- सभी विद्यालय विद्यार्थियों की FLN दक्षताओं का नियमित आंकलन कर अधिगम-अंतराल की पहचान करें तथा आवश्यक उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करें।
- प्राचार्य एवं मुख्याध्यापक आयु-उपयुक्त पठन एवं संख्यात्मक दक्षताओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें।
- प्रभावी गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जाए तथा श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ अन्य विद्यालयों के साथ साझा की जाएँ।
- अगली बैठक नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। श्रीमती मीना जोशी ने सुझाव दिया कि आगामी बैठक में विद्यार्थियों की गतिविधियों का जीवंत प्रदर्शन (live demonstration) किया जाए।
- आगामी बैठक मे केंद्रीय विद्यालय SAC तथा केंद्रीय विद्यालय वडसर द्वारा श्रेष्ठ **FLN** कार्यप्रणालियाँ प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया।

5. विद्यालयों द्वारा FLN लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सुझाए गए बिंदु-

- नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना: सभी बच्चों की विद्यालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा अनियमित उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क करना।
- स्तरानुसार शिक्षण: बच्चों के सीखने के वर्तमान स्तर का आकलन कर उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण कार्य करना।
- पठन कौशल का विकास: बच्चों को प्रतिदिन कहानी, कविता, बाल साहित्य एवं अन्य रोचक सामग्री पढ़ने के अवसर प्रदान करना।

- लेखन कौशल का विकास: बच्चों को अक्षर, शब्द, वाक्य एवं छोटे अनुच्छेद लिखने का नियमित अभ्यास कराना।
- बुनियादी गणितीय कौशल: बच्चों को गिनती, संख्या पहचान, जोड़, घटाव, पैटर्न तथा दैनिक जीवन में गणित के उपयोग का अभ्यास कराना।
- खेल-खेल में शिक्षा: शिक्षण को रोचक बनाने के लिए खेल, गतिविधियों, पहेलियों, गीतों एवं शैक्षिक खिलौनों का उपयोग करना।
- टीएलएम का प्रभावी उपयोग: शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) जैसे फ्लैश कार्ड, संख्या चार्ट, चित्र कार्ड, शब्द कार्ड एवं गणितीय किट का उपयोग करना।
- नियमित आकलन: बच्चों की प्रगति का नियमित आकलन कर सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान करना तथा आवश्यक सुधारात्मक शिक्षण प्रदान करना।
- कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान: सीखने में पीछे रह रहे बच्चों के लिए अतिरिक्त अभ्यास, व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं विशेष शिक्षण सत्र आयोजित करना।
- शिक्षकों का क्षमता संवर्धन: FLN से संबंधित प्रशिक्षण, कार्यशालाओं एवं शिक्षक बैठकों के माध्यम से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में सुधार करना।
- पुस्तकालय एवं पठन कोना: प्रत्येक कक्षा में आयु एवं स्तर के अनुरूप पुस्तकों का पठन कोना विकसित करना तथा बच्चों में पढ़ने की आदत डालना।
- अभिभावकों की सहभागिता: अभिभावकों को बच्चों के साथ घर पर पढ़ने, लिखने और गणितीय गतिविधियाँ करने के लिए प्रेरित करना।
- स्थानीय संसाधनों का उपयोग: स्थानीय वस्तुओं, परिवेश एवं दैनिक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को पढ़ना, लिखना और गणित सिखाना।
- विद्यालय में आनंदमय वातावरण: बच्चों के लिए भयमुक्त, समावेशी एवं बाल-अनुकूल वातावरण तैयार करना, ताकि वे बिना झिझक सीख सकें।
- नियमित शिक्षक बैठकें: FLN लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा करने तथा शिक्षण संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए नियमित बैठकें आयोजित करना।
- शिक्षण योजना का निर्माण: FLN दक्षताओं के अनुरूप मासिक एवं साप्ताहिक शिक्षण योजनाएँ बनाना और उनका प्रभावी क्रियान्वयन करना।
- डिजिटल संसाधनों का उपयोग: उपलब्धता के अनुसार डिजिटल शैक्षिक सामग्री, ऑडियो-वीडियो एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों का उपयोग करना।
- समुदाय की सहभागिता: विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC), स्थानीय समुदाय एवं स्वयंसेवकों को FLN गतिविधियों से जोड़ना।
- प्रगति का रिकॉर्ड रखना: प्रत्येक बच्चे की पठन, लेखन एवं गणितीय दक्षताओं का रिकॉर्ड रखना और समय-समय पर उसकी समीक्षा करना।
- FLN लक्ष्यों की नियमित समीक्षा: विद्यालय स्तर पर FLN की उपलब्धियों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाना तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना।

सहायक आयुक्त ने दोहराया कि FLN कार्यक्रमों का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों की पठन एवं संख्यात्मक दक्षताओं में मापनीय सुधार सुनिश्चित करना है। बैठक में नियमित आकलन, प्रभावी कक्षा-शिक्षण तथा विद्यालय स्तर पर सतत निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया गया।